

प्राण-प्रतिष्ठा व शोभायात्रा आज भिलाई। गायत्री परिवार ट्रस्ट गायत्री शक्तिपीठ केम्प-2 भिलाई के पं. श्रीराम शर्मा के संरक्षण में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित है। प्रथम दिवस 10 अगस्त को दोपहर 2 बजे मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा यात्रा निकाली जाएगी। 11 अगस्त को सुबह 9 बजे भगवान शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा वैदिकमंत्रों के साथ संपन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन व देवेन्द्र यादव व भिलाई नगर निगम महापौर नीरज पाल, पूर्व मंत्री बीडी कुरेशी होंगे। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रसाद वितरण एवं भंडारा का आयोजन किया गया है। यह जानकारी ट्रस्टी गायत्री शक्तिपीठ केम्प-2 मुख्य प्रबंधक समय लाल साहू ने दी।

जेएलएनएच अस्पताल में सीपीसीआर कार्यशाला भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय व अनुसंधान केंद्र के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा सेव अ लाइफ पहल के अंतर्गत मासिक हैड्स-ओनली सीपीसीआर (कार्डियो पल्मोनरी सेरेब्रल रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यशाला ओपीडी कॉम्प्लेक्स में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार सहित अन्य डाक्टर उपस्थित थे। प्रशिक्षण का संचालन डॉ. कुमुदनी, डॉ. अमित अग्रवाल एवं डॉ. प्रिया पंकज ने एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के डीएनबी रेजिडेंट चिकित्सकों के सहयोग से किया। कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों ने भाग लिया तथा प्रशिक्षण मैनिकिन पर सीपीसीआर का अभ्यास किया। एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं डीएनबी रेजिडेंट्स ने प्रत्येक प्रतिभागी को सही तकनीक, शरीर की उचित स्थिति तथा प्रभावी चेस्ट कंप्रेशन की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। आपातकालीन हृदय देखभाल एवं सीपीसीआर से संबंधित प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की इस कार्यक का उद्देश्य एस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ-साथ आम नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता के लिए जागरूक और सक्षम बनाना है। कार्यक्रम में एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के चिकित्सकों, डीएनबी रेजिडेंट्स एवं अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

पुस्तक विमोचन व काव्य गोष्ठी 12 को भिलाई। आरंभ संस्था द्वारा पुस्तक विमोचन एवं पावस ऋतु पर सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन 12 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से भिलाई निवास स्थित इंडियन कॉफी हाउस के सभागार में किया जाएगा। इस दौरान आरंभ साहित्य समिति की सांगठनिक बैठक भी होगी। मीडिया प्रभारी डॉ. नौशाद अहमद सिद्दीकी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम सत्र में दो पुस्तकों का विमोचन जिसमें बांग्ला लेखक पल्लव चटर्जी का लघु कथा संग्रह अनुघटक और त्रयम्बक राव साटकर अंबर का हिंदी काव्य संग्रह जीवन दर्पण किया जाएगा। द्वितीय सत्र में आरंभ के सदस्यों द्वारा पावस ऋतु पर आधारित काव्य पाठ प्रस्तुत किया जाएगा।

पर्व : सावन में शिवभक्ति में डूबे श्रद्धालु, जल-दूध, दही, शहद व घी से किया भगवान शिव का अभिषेक

पंचवटी सरोवर शिव मंदिर में गूंजा हर-हर महादेव

हरिभूमि न्यूज ►►थान खनरिया

सावन मास के पावन अवसर पर नगर के शिव सरोवर के समीप स्थित पंचवटी सरोवर शिव मंदिर में भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। मुख्य यजमान रवि शंकर चंचल कुंजाम ने विधि-विधान के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर रुद्राभिषेक कराया। रुद्राभिषेक के दौरान भगवान शिव का जल, दूध, दही, शहद एवं घी से अभिषेक किया गया। इसके बाद बेलपत्र एवं पुष्प अर्पित कर भगवान शिव की विधिवत पूजा की गई।

पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं को फल एवं प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत एल्डरमेन अनिल सिंघानिया का तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। आचार्य पंडित सीनू तिवारी ने विधि-विधान से शिव अभिषेक एवं रुद्राभिषेक संपन्न कराया। पंडित सीनू तिवारी ने बताया कि शिवलिंग का अभिषेक एवं पूजन भगवान शिव के रुद्र स्वरूप की आराधना है। भगवान शिव ब्रह्मांड के प्रतिनिधि माने जाते हैं। उनकी आराधना से नकारात्मकता का नाश होता है तथा जीवन में शांति, सुख एवं समृद्धि की प्राप्ति होती है। मंदिर के देखरेख का कार्य महेश शर्मा द्वारा किया जाता है। पूजा-अर्चना में पंडित कमलेश्वर शर्मा ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर हिमांशु देवांगन, चंदन देवांगन सहित मोहल्ले के श्रद्धालु, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।



कांवड़ यात्रियों ने भोरमदेव में किया जलामिषेक, जयकारों से गूंजा रास्ता



बेमेतरा। शहर के मोहभट्टा वार्ड क्रमांक 6 से शनिवार शाम करीब 5 बजे 40 कांवड़ यात्रियों का जत्था भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने भोरमदेव मंदिर के लिए रवाना हुआ। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बना। कांवड़ यात्री सोमवार सुबह भोरमदेव मंदिर पहुंचे और सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर भगवान भोलनाथ का विधिवत जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। भोरमदेव मंदिर में जलाभिषेक के बाद कांवड़ यात्रियों का जत्था मां बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ और मां करेला भवानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। धार्मिक यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा।

श्रावण के दूसरे सोमवार मंदिरों में उमड़ा आस्था दिनभर गूंजते रहे हर-हर महादेव के जयकारे

नवागढ़। श्रावण मास के दूसरे सोमवार के पावन अवसर पर नवागढ़ नगर पूरी तरह शिवमय नजर आया। भोर होते ही मंदिरों की घंटियों और शंखनाद के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। गली-मोहल्लों में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।



पूजन का विशेष महत्व है। इस वर्ष श्रावण का दूसरा सोमवार विशेष शुभ संयोग में आने के कारण श्रद्धालुओं में पूजा-अर्चना को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। नगर के देवांगन पारा, सुकुल पारा, बीच पारा, मिश्रा पारा, बावली पारा, शंकर नगर एवं दरी पारा सहित प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव, शमी गणेश मंदिर और रामजानकी मंदिर में दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। कहीं भजन-कीर्तन तो कहीं शिव चालीसा और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। युवाओं, महिलाओं और

बच्चों में भी शिव भक्ति का उत्साह देखने को मिला। सुहागिन महिलाओं ने परिवार की खुशहाली और पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखा, वहीं युवतियों ने मनचाहा घर पाने की कामना के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

ग्रामीण क्षेत्रों से कांवड़ियों की टोलियां भी पूरे उत्साह के साथ शिव मंदिरों की ओर बढ़ती नजर आईं। कई स्थानों पर समाजसेवियों ने कांवड़ियों के लिए चाय-पानी, प्रसाद एवं विश्राम की व्यवस्था की। इससे सेवा और श्रद्धा का सुंदर संगम देखने को मिला। ग्रामीण अंचलों में भी श्रावण सोमवार की भक्ति चरम पर रही। गांव-गांव के शिवालियों में सुबह से शाम तक पूजन-अर्चना का क्रम चलता रहा। शाम को मंदिरों में विशेष आरती के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रावण मास के इस पावन अवसर पर नवागढ़ में आस्था, परंपरा और सामूहिक श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

बाल कांवड़ियों ने किया जलामिषेक



नवागढ़। सावन मास के दूसरे सोमवार के पावन अवसर पर ग्राम अतरिया से निकले बाल कांवड़ियों ने लगभग दस किलोमीटर की पदयात्रा कर शंभूपुरी मरका बगीचा पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान बालकों में अपार उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। कांवड़ यात्रा के दौरान बाल कांवड़ियों ने पडकीडीह स्थित शनि देव एवं हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद “हर-हर महादेव” के जयकारों के साथ आगे बढ़ते हुए अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचे। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने बालकों के उत्साह और धार्मिक आस्था की सराहना की। कम उम्र में इस तरह की भक्ति और अनुशासन को समाज के लिए शुभ संकेत बताया गया। श्रद्धालुओं का कहना है कि ऐसे धार्मिक आयोजन बच्चों में संस्कार, अनुशासन और आस्था का संचार करते हैं।

टाउनशिप में वर्षों से नहीं हुई बैकलेन की सफाई, खामियाजा भुगत रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ►►गिलाई

टाउनशिप में वर्षों से आवासीय ब्लकों के पीछे बेकलेन की सफाई नहीं होने का खामियाजा हजारों रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। लगतार बारिश के चलते भारी कचरे और पानी के जमाव से चौरफा समस्या के कारण लोगों की परेशानी बढ़ रही है। संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ने के साथ पानी निकासी की समस्या लाइलाज होती जा रही है। इस मामले में नगर सेवाएं विभाग उदासीन बना हुआ है। पार्श्वों और यूनियनों ने जल्द जमीनी स्तर पर सफाई अभियान चलाने की मांग की है। बारिश के मौसम में पिछले पखवाड़ेभर से हो रही वर्षा के कारण सेक्टर क्षेत्र की स्थिति भारी अस्वच्छता



गंभीर रोग दस्तक दे रहे हैं। डेंगू के दो संदिग्ध मरीज मिलने से लोगों में चिंता व डर का माहौल है। बीएसपी के पीएचडी व जिला स्वास्थ्य विभाग के मौसमी व डेंगू जैसी वर्षाजनित बीमारियों को लेकर जागरुकता सफाई अभियान के दावे के बाद

भी टाउनशिप में बारिश के दौरान आवासीय व सरकारी तथा सार्वजनिक भवनों,मार्केटों व फास्टफूड इलाकों आदि में गंदे पानी के भरने और भारी गंदगी और बदबू का माहौल है। यूनियनों व पार्श्वों ने संक्रामक बीमारियों के खतरे को देखते हुए वर्षों से लंबित बेकलेन सफाई के लिए जमीनी अभियान चलाने की मांग की है। सभी सेक्टरों में आवासीय ब्लकों के पीछे टनों घरेलू कचरे का जमाव के साथ सघन झाड़ियों व खरपतवारों उगे होने से भारी गंदगी और बदबू से हैं। वर्षों का पानी पीछे से और आगे से घरों में आने से लोग परेशान हैं। पार्श्व दक्षमिंपति राजू व साकेत चंद्राकर व श्रीमती ठाकुर आदि कई बार सफाई की मांग कर चुके हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। रहवासियों ने भी जल्द सफाई की मांग की है।

शिक्षकों को परियोजना निर्माण, वैज्ञानिक पद्धति और इंस्पायर अवार्ड मानक योजना की दी जानकारी

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस कार्यशाला में वैज्ञानिक सोच और नवाचार पर जोर

हरिभूमि न्यूज ►►बेमेतरा

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बेमेतरा के तत्वावधान एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के व्याख्याताओं एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के साथ ही उन्हें स्थानीय समस्याओं की पहचान कर उनके वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करना रहा। जिला समन्वयक राजकुमार वर्मा ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को केवल



पाठ्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आसपास की समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने और उनके समाधान तलाशने के लिए प्रेरित करें। मार्गदर्शक शिक्षक डॉ. दीपक कुमार साहू, व्याख्याता रसायन शास्त्र ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के प्रोजेक्ट निर्माण, विषय चयन, वैज्ञानिक पद्धति एवं परियोजना प्रस्तुतिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने इस वर्ष की थीम ‘सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार’ के तहत विद्यार्थियों को स्थानीय

परिवेश से जुड़े विषयों पर वैज्ञानिक अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केंडरका की व्याख्याता जीव विज्ञान पुष्या नायक ने इंस्पायर अवार्ड मानक योजना पर जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार की भावना विकसित करने में योजना की उपयोगिता बताते हुए नवाचारों को इंस्पायर अवार्ड मानक के तहत चयनित कराने की प्रक्रिया एवं आवश्यक बिंदुओं की जानकारी दी।

ऑनलाइन पंजीयन की दी जानकारी

कार्यशाला में शिक्षकों ने विज्ञान एवं नवाचार से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को वैज्ञानिक गतिविधियों से जोड़ने के अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए ऑनलाइन पंजीयन पर विशेष जोर देते हुए पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यशाला के माध्यम से शिक्षकों में वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रति नई ऊर्जा का संचार करने तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की संस्कृति विकसित करने की दिशा में पहल की गई। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जिला एपीसी खेमराज साहू, बीईओ साजा डीजी पात्रा सहित ज्योति श्रीवास्तव, डीजी रानी साहू, रश्मि अनवाल, ईश्वर लाल साहू, तुषित साहू, मंजू साहू, गजानंद शर्मा, स्नेहा तिवारी, योगेंद्र कुमार वर्मा, सुखनंदन साव, प्रफुल्ल कुमार सहित 116 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

गोपालभैना से 101 ग्रामीणों का

कांवड़ जत्था भोरमदेव के लिए रवाना

नवागढ़। सावन माह की भक्ति भावना के बीच ग्राम गोपालभैना में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। संगम स्थल सकरी नदी एवं हाफ नदी से पवित्र जल लेकर 101 ग्रामीणों का कांवड़ जत्था भोरमदेव मंदिर के लिए रवाना हुआ। रवाना होने से पूर्व सभी श्रद्धालुओं ने मां महामाया देवी जी के मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात “बोल बम” और “हर हर महादेव” के जयकारों के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से छबिलाल निषाद, मुकेश सिन्हा, राकेश सिन्हा, सुखराम साहू, अमरराम साहू, अजित साहू, सरपंच पति जगदेव साहू, अशोक सेन, कमल साहू (उपसरपंच) सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे। साथ ही गांव के वरिष्ठजन हुलाश, भुवाल, मिंदू बिसेन, सुमन सिन्हा सहित अनेक लोगों ने पूजा-पाठ कर कांवड़ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्साहपूर्वक विदा किया। पूरा गांव “बोल बम, हर हर महादेव” के जयघोष से गूंज उठा, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। सभी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए पूर्ण श्रद्धा और उमंग के साथ भोरमदेव की ओर प्रस्थान कर गए।

सावन के दूसरे सोमवार को बारगांव में भक्तों ने किया भगवान शिव जी का जलामिषेक

बेमेतरा/बेरला। भगवान भोलेनाथ की आराधना का विशेष महीना सावन के दूसरा सोमवार को बारगांव के रामेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक किए गए। भक्तों द्वारा भगवान की विशेष पूजा-अर्चना गई। साथ ही इस दौरान मंदिर में हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंजते रहे। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न खाद्य वस्तुओं और फूल-पत्तियों आदि से अभिषेक किया गया। कई श्रद्धालु समस्या निवारण और सुख-समृद्धि के लिए रुद्राभिषेक कराया। खासकर गांव की महिलाएं जल, घी, दूध, दही, शहद, शकर, गन्ने का रस, बिल्व पत्र और धतूरा आदि से भगवान शिवजी की पूजा-अर्चना की। पंडित बोसेन्द्र पांडेय ने बताया कि वह काफी समय से भगवान शिव के आशीर्वाद से भंडारे का आयोजन कर रहे हैं। इस दिन प्रसाद का वितरण और प्राप्त करना भी शुभ माना जाता है।



शिवलिंग पर भक्तों ने किया रुद्राभिषेक

हर-हर महादेव के जयकारों के साथ सावन माह के दूसरे सोमवार को रामेश्वर मंदिर में शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया गया। भगवान शिवजी को श्रद्धालुओं ने गंगाजला, दूध, दही से स्नान करवाया। इसके अलावा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने फल व फूल भी भगवान के चरणों में अर्पित किए। पंडित बोसेन्द्र पांडेय ने बताया कि सावन माह के सोमवार को या फिर किसी भी दिन भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करना चाहिए। ओम नमो शिवाय का जाप 108 या फिर 1008 बार करना चाहिए।

खिलोरा में जिला स्तरीय स्काउट-गाइड शिविर नशामुक्ति और हर घर तिरंगा का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ►►बेमेतरा

शासकीय हाई स्कूल खिलोरा में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ जिला संघ बेमेतरा तत्वावधान में 6 से 9 अगस्त तक जिला स्तरीय स्काउट-गाइड शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का

उद्देश्य स्काउट-गाइड गतिविधियों को सुदृढ़ करने के साथ विद्यार्थियों में अ नु शा स न , नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना तथा उन्हें राज्यपाल पुरस्कार के लिए तैयार करना रहा। शिविर के दौरान नामांकित स्काउट्स, गाइड्स, रोवर-रैजंस ने नशामुक्ति, स्वच्छ भारत अभियान, नारी शिक्षा, सामाजिक समरसता एवं हर घर तिरंगा जैसे विषयों को लेकर जागरुकता रैली निकाली।

वरिष्ठ गाइड लीडर उर्मिला दिवाकर के मार्गदर्शन में निकली रैली में स्काउट-गाइड ने नारे लगाकर ग्रामीणों को नशे से दूर रहने तथा नशापान से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। शिविर संचालक महेश कुमार साहू ने प्रशिक्षणार्थियों को शिविर सफलतापूर्वक पूर्ण करने एवं तृतीय सोपान की दक्षता हासिल करने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर नई दक्षताएं सीखते रहना चाहिए। शिविर विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों, गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में आत्मनिर्भरता, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण



संरक्षण की भावना विकसित करने में सहायक होगा। स्काउटिंग की विभिन्न दक्षताओं का प्रशिक्षण मीडिया प्रभारी स्काउटर चंद्रशेखर पटेल ने बताया कि शिविर में बच्चों को स्काउट- गाइड की वेशभूषा, बैच, इतिहास, दिशा ज्ञान, संकेत वार्ता, प्राथमिक चिकित्सा, मैप रीडिंग, विभिन्न प्रकार की गाठें, टेंट लगाना, आत्मरक्षा, ध्वज शिष्टाचार और डिल सिलित विभिन्न आधारभूत दक्षताओं का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा बच्चों को शिविर के आसपास स्थित देवस्थलों का भ्रमण करकर हाईकिंग एवं ट्रेकिंग की जानकारी भी दी गई। मुख्य परीक्षक भगवतीन देवांगन ने बताया कि शिविर में प्रतिदिन कैम्प फायर का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न टोलियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कैम्प फायर के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन के साथ अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने और संस्कृति के संरक्षण का अवसर मिला। वरिष्ठ स्काउटर एवं मुख्य परीक्षक सत्यनारायण साहू ने प्रतिदिन एसटीए के माध्यम से बच्चों को सिखाई गई दक्षताओं का परीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें राज्यपाल पुरस्कार की

तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया।

पौधरोपण और सैनिकों के लिए राखियां: वरिष्ठ स्काउटर उद्धव साहू, अनुज साहू एवं परस राम बंजारे के मार्गदर्शन में शासकीय हाई स्कूल पौधरोपण और सैनिकों के लिए राखियां का रोपण किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया। वहीं रक्षा सूत्र प्रभारी पूनम सलूजा एवं मधु मरावी के मार्गदर्शन में शिविर में शामिल गाइड्स एवं रैजंस ने अपने हाथों से 100 राखियां तैयार कीं।

इन राखियों को सीमा पर देश की सेवा कर रहे सैनिकों के लिए रक्षा सूत्र कार्यक्रम के तहत भेजा गया। शिविर के सफल संचालन के लिए विभिन्न पादधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। शिविर संचालक महेश कुमार साहू, मुख्य परीक्षक सत्यनारायण साहू एवं भगवतीन देवांगन, सहायक मुख्य परीक्षक परस राम बंजारे एवं मनोज साहू, क्वार्टर मास्टर हिरक राम ध्रुव, सहायक शिविर संचालक उर्मिला दिवाकर, स्वास्थ्य प्रभारी अनुज राम साहू, शिविर सहायक विवराम साहू, वृक्षारोपण प्रभारी उद्धव साहू, रक्षा सूत्र प्रभारी पूनम सलूजा एवं मधु मरावी तथा मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर पटेल रहे। क्वार्टर मास्टर हिरक राम ध्रुव एवं शिविर सहायक रेवारा साहू के बेहतर प्रबंधन से शिविर के दौरान बच्चों की व्यवस्थाएं सुचारु रहीं।

